Need to push 'Make in India' in defence: Expert

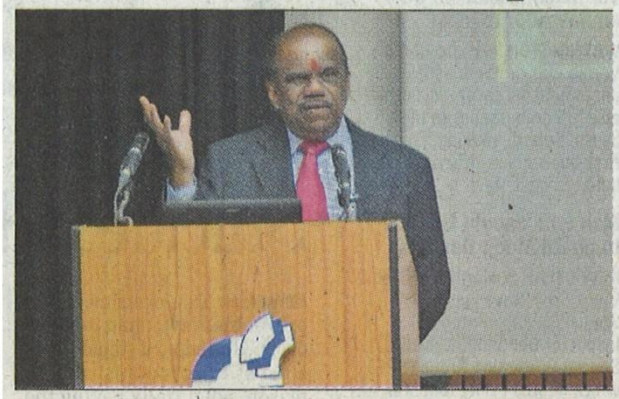

A Sivathanu Pillai, CEO of BrahMos Aerospace Private Limited, speaks at the Indian Institute for Management, in Indore on Wednesday. HT

HT Correspondent
editorbhopal@hindustantimes.com

INDORE: Foreign Direct Investment (FDI) is the need of the hour. The government should work on creating a complete military industry which has an amalgamation of private industries coming forward.

A Sivathanu Pillai, founder, CEO and managing director of the BrahMos Aerospace Private Limited said this on his visit to Indian Institute for Management (IIM) on Wednesday.

Stating that India should focus on creating goods which are 'Make in India' the senior scientist said, "We should learn to harness our own energy. Instead of exporting raw materials we should be able to export finished product. Defence industry should work on such lines, so that we are able to emerge as number one."

Adding that a specific area should be identified to develop an industry of such order, Pillai also pointed out that development related to defence will be carried out in the state soon.

"I had a word with chief minister Shivraj Singh Chouhan; he had expressed interest in creating industrial hubs which will specifically work on military equipments," said Pillai.

He also mentioned that the chief minister also expressed need to bring Madhya Pradesh on the map of states with good industries.

He further said that human resources need to be effectively managed in the country. With a 600 million youth population below the age group of 30, the government needs to bring up projects which keeps the youth engaged.

Talking about his role as the co-founder of Brahmos, he said that a delegated team is working on bringing up mini-BrahMos. Explaining that some new technologies would be used in this, he said that 2018 will see the completion of this missile.

Moreover a presentation was also given by Pillai to the IIM-Indore studen.ts. In his presentation, he said that the underused resources of the country like thorium, need to be utilised in some way or the other.

Hindustan Times, December 11, 2014, Page-2

IIM Indore director interacts with Young Indians

• OUR STAFF REPORTER
Indore

Prof Rishikesha T Krishnan, Director, IIM Indore, interacted with the members of Young Indians, an integral part of the Confederation of Indian Industry (CII), during a lecture on 'Innovation'. More than 30 members of the Young Indians group attended the interactive session to discuss different ways in which they can execute innovative ideas to solve their organizational problems resulting in benefits to the users.

In his lecture, Krishnan discussed the key points of the book 8 Steps to Innovation, authored by himself and Dr Vinay Dabholkar, to explain various steps to create innovation in a company. Beginning from its basic definition, he went on to explain various types of innovation, the entire process of innovation and how each step in it plays a vital part in the development of an organisation.

Explaining the hurdles that an organization faces in executing innovation, Krishnan pinpointed Consistency in the stream of ideas, Idea velocity and the Lack of impact of the innovation as the major hiccups in the process of creating innovation. Quoting examples of different companies and their strategies, he explained the practical applicability of innovation and how it benefits the organisations and its various stakeholders including the employees, customers, clients and other associates.

The lecture was followed by a question-answer session, wherein the participants raised several queries like the role of the top management in creating innovation, major pitfalls in execution of new ideas, parameters of measuring impact of innovation, importance of market research in innovation amongst several others.

Free Press, December 11, 2014,
Page-11 (Indore City)

'Make in India' mission must be structured: BrahMos MD

• OUR STAFF REPORTER
Indore

Founder CEO and Managing Director of the BrahMos Aerospace Private Limited, Dr A Sivathanu Pillai here on Wednesday said that 'Make in India' mission must be structured.

"The mission needs be structured and executed properly to produce the desired results," he told reporters during his visit to Indian Institute of Management Indore.

He also said that Madhya Pradesh can contribute fruitfully in defense production and Jabalpur is an ideal place for production of different types of sensors and electronic chips. Dr Pillai had come to the city to deliver a talk on 'India's Global Leadership' on Wednesday, December 10. His lecture was attended by students, faculty and staff of IIM Indore.

During his lecture, Dr Pillai shared the experience of his association with eminent scientists like Vikram Sarabhai and Dr APJ Abdul Kalam, and narrated his various encounters with them.

He connected the working style of the great scientists to management and explained to the students that humility is an unmistakable quality of a great leader.

Dr Pillai's presentation covered India's prosperity dynamics, wherein he explained India's prosperity curve and emphasised on the fact that with the country's rich natural and human resources, it has great future prospects in

terms of scientific and overall development. Quoting the examples of revolutionary leaders like Jamsetji N Tata and Homi J Bhabha, Dr Pillai underlined the importance of good leadership, vision, the courage to accept the challenges and optimum utilisation of the available resources.

Dr Pillaipin pointed the underused resources of the country like Thorium, which India has one of the largest supplies in the world. He also noted that technology face shifters are the prime need of the hour.

INTERVIEW

सुदर्शन चक्र की तरह वर्क करेगा हाइपर सुपर सोनिक ब्रह्मोस

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के फाउंडर सीईओ डॉ.एएस पिल्लई से बातचीत

plus रिपोर्टर
indoreplus@patrika.com

इंदौर. चाइना ने सुपर सोनिक ब्रह्मोस का सिर्फ बाहरी स्ट्रक्चर कॉपी किया है। इंटरनली हमारी मिसाइल उनसे कई गुना बैटर है। आने वाले 3-4 वर्षों में इंडिया को ब्रह्मोस जैसी कई मिसाइल मिलने वाली हैं। ये सभी प्रोजेक्ट पाइपलाइन में है। इनके टेस्ट और बाकी फॉर्मेलिटी कम्प्लीट होने में थोड़ा समय लगेगा। यह कहना है ब्रह्मोस एयरोस्पेस के फाउंडर सीईओ डॉ. एएस पिल्लई का। वे बुधवार को आईआईएम इंदौर में थे। इस दौरान पत्रिका प्लस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सुपर सोनिक ब्रह्मोस के बाद हम हाइपर सोनिक ब्रह्मोस तैयार करना चाहते हैं। इसकी स्पीड को 7 से 10 गुना तक बढ़ाने की प्लानिंग है। इसे भगवान कृष्ण के सुदर्शन की तर्ज पर तैयार करना है, जिससे कि वह कुछ सेकंड्स में दुश्मन का नामोनिशान मिटाकर लौट आए।

जबलपुर में बना सकते हैं डिफेंस इंडस्ट्री

डॉ.पिल्लई ने कहा कि डिफेंस में लेटेस्ट इक्विपमेंट्स की रिक्वायरमेंट काफी अधिक है। हमें एयरक्राफ्ट, सबमरीन, मिसाइल आदि के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की जरूरत है। ऐसे में डिफेंस इंडस्ट्री के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रिएट करने की ज़रूरत है। डिफेंस में 49 परसेंट एफडीआई के करने से अब हमें अपनी सुरक्षा के लिए विदेशी टेक्नोलॉजी पर डिपेंड नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जबलपुर डिफेंस इंडस्ट्री के लिए परफेक्ट प्लेस है। यह ऐसी इंडस्ट्री है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स का काफी इन्वॉल्वमेंट होता है। ऐसे में इसके लिए लेस पॉल्युटेड सिटी बैटर होती है। उन्होंने कहा कि जबलपुर के अलावा भोपाल आउटर में भी डिफेंस इंडस्ट्री को डवलप किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन प्लेसेस में सेंसर और राडार जैसी टेक्निक का प्रोडक्शन किया जा सकता है। डिफेंस इंडस्ट्री की प्रॉपर ग्रोथ के लिए इसे स्मॉल, मीडियम और लार्ज तीनों स्केल पर तैयार करना होगा।

लर्निंग में शामिल करें लाइव केस स्टडी

अगर हमें मेक इन इंडिया के सपने को पूरा करना है तो एजुकेशनल इंस्टिट्यूट टीचिंग को कम और केस स्टडी को बढ़ाना होगा। पेपर में लिखी केस स्टडी को फोकस करने से कोई फायदा नहीं होगा। हमें इंडस्ट्री में जाकर लाइव केस स्टडी करने की जरूरत है। इस तरह की एजुकेशन के लिए इंदौर परफेक्ट सिटी है।

ह्यूमन रिसोर्स है पॉवर

आईआईएम इंदौर में आयोजित सेमिनार में डॉ. पिल्लई ने स्टूडेंट्स के साथ अपने एक्सपीरियंस शेयर किए। उन्होंने कहा कि इंडिया की सबसे बड़ी पॉवर यहां का ह्यूमन रिसोर्स है, यदि इसे कंस्ट्रक्टिव तरीके से यूटिलाइज किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी गोल को अचीव करने के लिए क्वालिटी लीडरशिप जरूरी है।

Patrika, December 11, 2014, Page-13 (Patrika Plus)

ब्रह्मोस' की नकल नहीं है चीनी मिसाइल 'सीएक्स..1'

मीडिया से रूबरू हुए रक्षा प्रौद्योगिकीविद् ए. शिवतनु पिल्लै

पीपुल्स संवाददाता ◆ इंदौर
news.indore@peoplessamachar.co.in

चीन की विकसित नई मिसाइल सीएक्स..1 के ब्रह्मोस की नकल होने की बात को सिरे से खारिज करते हुए जाने-माने रक्षा प्रौद्योगिकीविद् ए. शिवतनु पिल्लै ने कहा कि इस चीनी मिसाइल और भारत-रूस के संयुक्त उपक्रम से विकसित सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की निर्माण तकनीक बिल्कुल अलग-अलग है।

इंदौर के भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएमआई) में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए 'ब्रह्मोस के जनक' ने कहा- 'वह चीनी मिसाइल (सीएक्स-1) बाहर से ब्रह्मोस की तरह दिखाई देती है, लेकिन निश्चित तौर पर वह मिसाइल ब्रह्मोस की नकल नहीं है। दोनों मिसाइलों (सीएक्स-1) और (ब्रह्मोस) का इंजन और निर्माण तकनीक अलग-अलग है। चीनी मिसाइल का ब्रह्मोस से कोई लेना-देना नहीं है। पिल्लै ने कहा कि यह अटकल लगाना सरासर गलत है कि रूस ने चीन को ब्रह्मोस की तकनीक लीक की, ताकि ब्रह्मोस को फिर से विकसित किया जा सके।

पिल्लै ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मेक इन इंडिया' की महत्वाकांक्षी परिकल्पना को साकार करने के लिए देश में सैन्य उद्योग कॉम्प्लेक्स' बनाए जाने की जरूरत है।

उन्होंने औद्योगिक विकास के प्रति मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता की तारीफ करते हुए कहा कि रक्षा उत्पादों का निर्माण हब बनने के मामले में मध्यप्रदेश में जबलपुर सबसे आदर्श क्षेत्र है और वहां रक्षा उद्योग से जुड़े आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाए जा सकते हैं।

Peoples Samachar, December 11, 2014, Page-2

ब्रह्मोस सुपर सोनिक मिसाइल के जनक डॉ. एएस पिल्लई ने मीडिया से की बात

डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बेहतर संभावनाएं

इंदौर (आरएनएन)। प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर संभावनाएं है। यहां की सरकार और साफ सुथरे वातावरण के कारण डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बेहतर संभावनाएं है। यह बात बुधवार को देश की शान ब्रह्मोस सुपर सोनिक मिसाईल के जनक डॉ. एएस पिल्लई ने पत्रकारों से चर्चा में कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान उद्योगों के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। जहां देश की विकास दर 5 प्रतिशत के लगभग है, वहीं प्रदेश की विकासदर 10 प्रतिशत है, जो कि अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है।

युवा सबसे बड़ी ताकत

डॉ पिल्लई ने कहा कि विश्व में सबसे ज्यादा युवा भारत में हैं। आज देश के युवा हमारी सबसे बड़ी ताकत है। मानव संसाधन के जरिए ही हम विश्व की सबसे बड़ी ताकत बनेंगे। जहां तक डिफेंस सेक्टर में भारतीय प्रबंधन संस्थानों के छात्रों की बात है तो ये श्रेष्ठ प्रबंधक बनकर डिफेंस सेक्टर में बेहतर काम करके संस्थानों की ग्रोथ में अहम भूमिका निभाएंगे। छात्र खुद को ज्यादा से ज्यादा विकसित करने के लिए रिसर्च पर ज्यादा फोकस करें।

ब्रह्मोस की खूबिया

डॉ. पिल्लई ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाईल की खूबियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी यह विश्व की सबसे श्रेष्ठ मिसाईल है। यह एक वैश्विक मिसाईल है। इसने हर बार अपनी श्रेष्ठता साबित की है। यह सुदर्शन चक्र की भांति है। इसमें 55 प्रतिशत योगदान भारत का और 45 प्रतिशत रशिया का है। दोनों के प्रयासों के कारण ही यह श्रेष्ठ बनी है।

एफडीआई से फायदा

मोदी सरकार ने डिफेंस के क्षेत्र में एफडीआई को बढ़ाकर 49 प्रतिशत कर दिया है। इससे विदेशी निवेश आएगा और विश्व की बड़ी कंपनियों की रुचि जागेगी। वहीं कंट्रोल देश का ही रहेगा। श्रेष्ठ कंपनियों के साथ काम करने से देश डिफेंस के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए अन्य देशों को तकनीकी रूप से सुरक्षा उपकरणों को निर्यात भी करेगा। हमारी तकनीक चाइना से काफी बेहतर और कठिन है।

Raj Express, December 11, 2014, Page-2

साइंटिस्ट डॉ. पिल्लई आईआईएम आए

इंदौर। आईआईएम इंदौर में बुधवार को देश के ख्यात डिफेंस टेक्नोलॉजिस्ट, साइंटिस्ट, डिफेंस, रिसर्च एंड डेवलपमेंट

ऑर्गनाइजेशन के चीफ कंट्रोलर और ब्रह्मोस के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एएस पिल्लई आईआईएम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आईआईएम में प्रोफेसरों से बातचीत करने के साथ ही विद्यार्थियों से भी मुलाकात की। शाम साढ़े चार बजे वो मीडिया से मिले और अपनी बात रखी।

Dabang Dunia, December 11, 2014, Page-2